हमारी दुनिया

भाग–1

कक्षा - 6

(राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार द्वारा विकसित)

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड

निदेशक (प्राथमिक शिक्षा), शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त।

सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत
पाठ्य-पुस्तकों का निःशुल्क वितरण।
क्रय-विक्रय दण्डनीय अपराध।

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

सर्व शिक्षा अभियान : **2013-14 : 20,81,455**

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लि० पाठ्य-पुस्तक भवन, बुद्ध मार्ग, पटना-800001 द्वारा प्रकाशित तथा ग्लोबल प्रिंट एसोसिएट, सबजीबाग, पटना-4 द्वारा एच.पी.सी. के 70 जी.एस.एम. क्रीम वोभ टेक्स्ट पेपर (वाटर मार्क) तथा एच.पी.सी. के 130 जी.एस.एम. ह्वाईट (वाटर मार्क) आवरण पेपर पर कुल 20,81,455 प्रतियाँ 18 x 24 से.मी. साईज में मुद्रित।

प्राक्कथन

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के निर्णयानुसार, अप्रैल, 2009 से प्रथम चरण में राज्य के कक्षा IX हेतु नए पाठ्यक्रम को लागू किया गया इस क्रम में शैक्षिक सत्र 2010-11 के लिए वर्ग–I, III, VI एवं X की सभी भाषायी एवं गैर भाषायी पाठ्य–पुस्तकें नए पाठ्यक्रम के अनुरूप लागू की गयीं। इस नए पाठ्यक्रम के आलोक में एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली द्वारा विकसित वर्ग X की गणित एवं विज्ञान तथा एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना द्वारा विकसित वर्ग–I, III, VI एवं X की सभी अन्य भाषायी एवं गैर भाषायी पुस्तकें बिहार राज्य पाठ्य–पुस्तक निगम द्वारा आवरण चित्रण कर मुद्रित की गयीं। इस सिलसिले की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए सत्र 2011-12 के लिए वर्ग–II, IV एवं VII तथा शैक्षिक सत्र 2012-13 के लिए वर्ग V एवं VIII की नई पुस्तकें बिहार राज्य के छात्र/छात्राओं के लिए उपलब्ध करायी गयीं। साथ–ही–साथ वर्ग–I से VIII तक की पुस्तकों का नया परिमार्जित रूप भी शैक्षिक सत्र 2013-14 के लिए एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना, के सौजन्य से प्रस्तुत किया जा रहा है।

बिहार राज्य में विद्यालयीय शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, श्री नीतीश कुमार, शिक्षा मंत्री, श्री पी०के० शाही एवं शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव, श्री अमरजीत सिन्हा के मार्ग दर्शन के प्रति हम हृदय से कृतज्ञ हैं।

एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली तथा एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना के निदेशक के भी हम आभारी हैं, जिन्होंने अपना सहयोग प्रदान किया।

बिहार राज्य पाठ्य–पुस्तक प्रकाशन निगम छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों का सदैव स्वागत करेगा, जिससे बिहार राज्य को देश के शिक्षा जगत में उच्चतम स्थान दिलाने में हमारा प्रयास सहायक सिद्ध हो सके।

जे०के०पी० सिंह, भा०रे०का०से०

प्रबन्ध निदेशक

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम लि०

आमुख

प्रस्तुत पुस्तक "हमारी दुनिया" भाग–1, कक्षा–6 राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा –2005 तथा बिहार पाठयचर्या की रूपरेखा –2008 के आधार पर विकसित पाठ्यक्रम के आलोक में निर्माण किया गया है। उसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास अर्थात शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक एवं अभ्यास क्षमताओं पर ध्यान दिया गया है। बच्चों में करके सीखने तथा खोजी भावना का विकास करने तथा आपस में मिल जुलकर सीखने की प्रवृत्ति का विकास हो पाठ्य–पुस्तक में इसका ध्यान रखा गया है । पाठ्य–पुस्तक के सभी अध्याय रोचक हैं। पाठ्य–पुस्तक में दिये गये विषय वस्तु विद्यार्थियों के दैनिक अनुभव पर आधारित हो, ऐसा प्रयास किया गया है। अध्यायों में कहानी के माध्यम से भूगोल के रहस्यों का उद्भेदन करने का प्रयास किया गया है, जो अपने आप में नवाचार है। कहीं–कहीं ऐसे संदर्भित प्रश्न हैं, जिससे बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होगा ही साथ ही साथ सत्य के निकट जाने हेतु जिज्ञासा भी बढ़ेगी।

पाठ्य–पुस्तक के माध्यम से छात्र तथा शिक्षक के बीच शिक्षण अधिगम प्रक्रिया बाल–केन्द्रित हो तथा सीखना बिना बोझ के हो सके। इसलिए पाठ्य–पुस्तक के सभी अध्यायों के विषय वस्तु में जगह–जगह क्रियाकलाप अर्थात गतिविधि तथा प्रयोग का वर्णन है। पुस्तक की अधिकांश क्रियाकलाप बिना किसी सामग्री या कम लागत की सामग्री के साथ कर्रवाई की जा सकती है। शिक्षण जितना गतिविधि आधारित होगा, बच्चों को सक्रिय बनाने वाला होगा तथा बच्चों को उतना ही अधिक आनन्द आएगा और वे उतनी ही अच्छी तरह दक्षताओं को प्राप्त कर सकेंगे। इस कार्य में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रत्येक अध्याय के अन्त में

पर्याप्त प्रश्न तथा अधिकांश अध्याय में परियोजना कार्य भी दिये गये हैं जिससे कि छात्र की उपलब्धियों की जाँच हो सके।

इस पाठ्य–पुस्तक के निर्माण में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना का सराहनीय सहयोग रहा है। प्रस्तुत पाठ्य–पुस्तक की पाण्डुलिपि तैयार करने के लिए बिहार राज्य के शिक्षक समूह के साथ चरणबद्ध कार्यशालाओं में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना के संकाय सदस्यों, विषय विशेषज्ञों तथा अन्य संस्थानों यथा विद्याभवन सोसाइटी, उदयपुर (राजस्थान), एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली के साधन सेवियों के साथ मिलकर काफी गहन चर्चा के बाद पुस्तक की पाण्डुलिपि का निर्माण किया गया। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, बिहार राज्य पाठ्य–पुस्तक प्रकाशन निगम, विद्या भवन सोसाइटी, एकलव्य मध्यप्रदेश द्वारा विकसित पुस्तकों के साथ अनेक प्रकाशनों की पुस्तकें, संदर्भ सामग्री के रूप में पाठ्य–पुस्तक को तैयार करने में उपयोगी साबित हुईं। परिषद् इन सभी संस्थानों के प्रति आभार व्यक्त करती है। परिषद् यूनिसेफ बिहार, पटना के सहयोग के लिए भी आभारी है। पाठ्य–पुस्तकों का संशोधन, परिमार्जन एवं संवर्द्धन अनवरत् चलने वाली प्रक्रिया है तथा इसकी संभावना हमेशा बनी रहती है। शैक्षिक सत्र में विद्यालयों में अध्ययन–अध्यापन के क्रम में शिक्षकों, छात्रों एवं अभिभावकों से अनेक सकारात्मक सुझाव प्राप्त हुए। इसके साथ–साथ संकुल संसाधन केन्द्रों, प्रखण्ड संसाधन केन्द्रों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों पर भी परिचर्चाओं के क्रम में पुस्तक के संवर्द्धन हेतु बहुमूल्य रचनात्मक सुझाव प्राप्त हुए।

साथ ही संकल्पित रूप से विद्यालयों में ट्राई आउट के दौरान अपेक्षित संशोधन हेतु कई अनुभव प्राप्त हुए। इन तमाम बातों को ध्यान में रखते हुए एवं चरणबद्ध कार्यशालाओं में प्राप्त सुझाव एवं अनुभवों के अनुरूप पाठ्य–पुस्तक में संशोधन एवं परिमार्जन किया गया है। पाठ्य–पुस्तक का संशोधित एवं परिमार्जित संस्करण राज्य के शिक्षार्थियों को समर्पित है।

हसन वारिस
निदेशक
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्,
बिहार, पटना–6

दिशाबोध सह पाठ्यपुस्तक विकास समन्वय समिति

- **श्री राहुल सिंह,** राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **श्री रामशरणागत सिंह,** संयुक्त निदेशक, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, विशेष कार्य पदाधिकारी, बी.टी.बी.सी., पटना
- **श्री अमित कुमार,** सहायक निदेशक, प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, बिहार सरकार
- **डॉ. श्वेता सांडिल्य,** शिक्षा विशेषज्ञ, यूनिसेफ, पटना
- **श्री हसन वारिस,** निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **श्री मधुसूदन पासवान,** कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **डॉ. एस.ए. मुईन,** विभागाध्यक्ष एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी,** प्राचार्य मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

पुस्तक विकास समिति

- **विषय विशेषज्ञ**

  प्रो0 (डा०) पूर्णिमा शेखर सिंह, भूगोल विभाग ए.एन.कॉलेज, पटना

  डा० सतनाम सिंह, वरीय व्याख्याता, डायट, दिलशाद गार्डन, दिल्ली

- **लेखक सदस्य**

  1. श्री जीतेन्द्र कुमार, शिक्षक, मध्य विद्यालय धनसीर ,नगर प्रखंड , गया
  2. अरविंद कुमार, साधन सेवी प्रखंड संसाधन केन्द्र नगर निगम, गया
  3. मनोज कुमार प्रियदर्शी, शिक्षक, प्रा०वि० मुर्गियाचक, झु०झो० फुलवारी शरीफ, पटना

- **समीक्षक**

  1. प्रो० (डॉ०) संजय कुमार, विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर भूगोल विभाग, महाराजा कॉलेज, आरा।
  2. डॉ० शगुफ्ता यास्मिन, सहायक शिक्षिका, पंचशील आवासीय उच्च विद्यालय, कुम्हरार, पटना

- समन्वयक — श्री रामविनय पासवान, व्याख्याता, रा० शि० शो० एवं प्र० प० बिहार, पटना

  डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मंडल,व्याख्याता रा0शि0शो0 एवं प्र० प० बिहार, पटना

  डॉ० (श्रीमती) रीता राय, श्रीमती अर्चना एवं श्रीमती वीरकुमारी कुजूर, व्याख्यातागण, अध्यापक शिक्षा विभाग
- चित्रांकन — डॉ० असगर जमील, सहायक शिक्षक, बलदेवा इंटर स्कूल, दानापुर कैन्ट, पटना
- आभार — यूनिसेफ, बिहार

हमारा संविधान

प्रस्तावना

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व–सम्पन्न, समाजवादी, पंथ–निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की स्वतंत्रता,

प्रतिष्ठा और अवसर की समता

प्राप्त करने के लिए

तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और

राष्ट्र की एकता और अखंडता

सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

अनुक्रमणिका

अध्याय संख्या	अध्याय का शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1	हमारा सौरमंडल	01–09
2	पृथ्वी एवं उसकी गतियां	10–20
3	पृथ्वी के परिमंडल	21–30
4	पृथ्वी के प्रमुख स्थल रूप	31–41
5	दिशाएँ	42–46
6	पृथ्वी और ग्लोब	47–59
7	मानचित्र अध्ययन	60–67
8	हमारा राज्य बिहार	68–80
9	बिहार दर्शन–1	81–87
10	बिहार दर्शन–2	88–94